15. दुधारू पशुओं के अभिलेख :

अभिलेख रखने की प्रथा केवल बड़े-बड़े डेरी फार्मों तक ही सीमित है लेकिन इसका प्रयोग सामान्य पशुपालक भी रजिस्टर में अपने पशुओं का अभिलेख रख सकते हैं। इससे पशुपालक को अपने पशुओं के बारे में सही-सही जानकारी मिल सकती है क्योंकि कई बार जबकि पशुपालक किसी गाय एवं भैंस को बहुत अच्छा समझता है परन्तु उसका व्यक्तिगत अभिलेख देखने से पता चलता है कि वह अन्य गायों/भैंसों से भी न्यून है।

अत: प्रत्येक पशुपालक को अपने पशुओं के अनिवार्य रूप से अभिलेख इस हेतु निम्नलिखित पंजिकायें रखी जानी चाहिये-

15.1 पशु स्वास्थ्य पंजिका : इस पंजिका (रजिस्टर) में पशुपालक अपने सभी पशुओं का पूर्ण विवरण, टीकाकरण, दवापान (डिवौरमिंग), कृत्रिम गर्भाधान का विवरण अंकित कर उनका पूर्ण अभिलेख संरक्षित कर सकता है।

15.2 दुग्ध उत्पादन पंजिका : इस पंजिका (रजिस्टर) में पशुपालक अपने सभी दुधारू पशुओं के प्रात: एवं सांय का दुग्ध उत्पादन अंकित कर उनका विवरण संरक्षित कर सकता है।